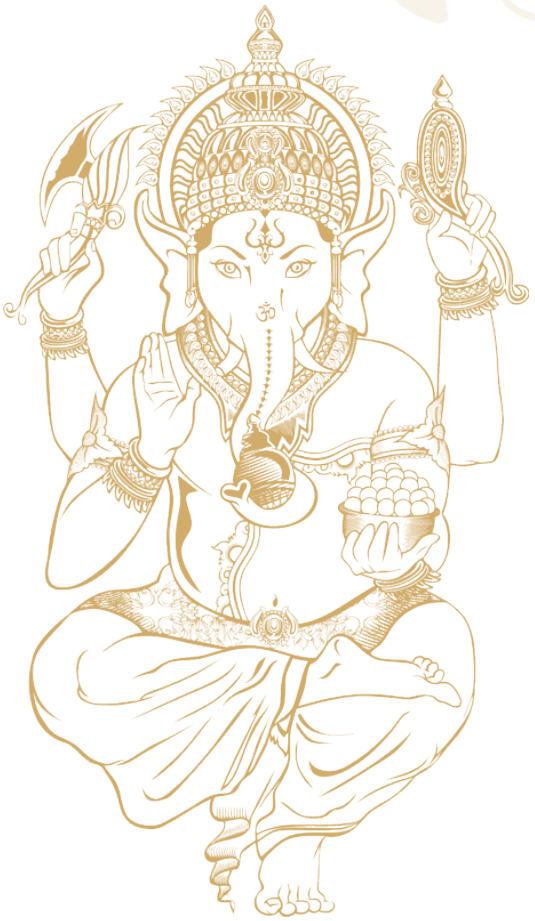

????? ????

23 Apr 2004

10:12 AM

Bokaro

Model: web-freekundliweb

Order No: 121746203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/04/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:12:00 घंटे**
इष्ट	12:14:54 घटी
स्थान	**Bokaro**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:51:00 उत्तर
रेखांश	86:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:26:08 घंटे
वेलान्तर	00:01:43 घंटे
साम्पातिक काल	00:32:25 घंटे
सूर्योदय	05:18:02 घंटे
सूर्यास्त	18:10:42 घंटे
दिनमान	12:52:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:27:19 मेष
लग्न के अंश	23:12:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	23:12:58	316:51:07	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			मेष	09:27:19	00:58:30	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			वृष	19:43:05	11:50:22	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	27:05:04	00:38:12	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	मीन	29:19:24	00:33:03	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	नीच राशि
गुरु	व		सिंह	15:13:09	00:02:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृष	22:26:14	00:41:56	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			मिथु	14:17:24	00:04:42	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु			मेष	17:18:13	00:00:43	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	17:18:13	00:00:43	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	11:57:21	00:02:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	21:19:05	00:00:48	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	28:06:12	00:00:54	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मीन	14:54:13	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:50

लग्न-चलित

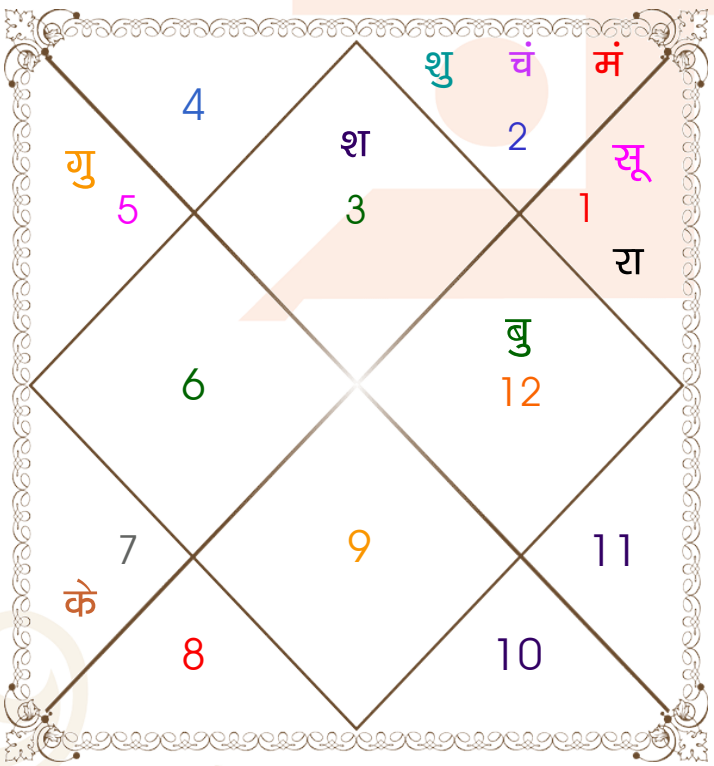

चन्द्र कुंडली

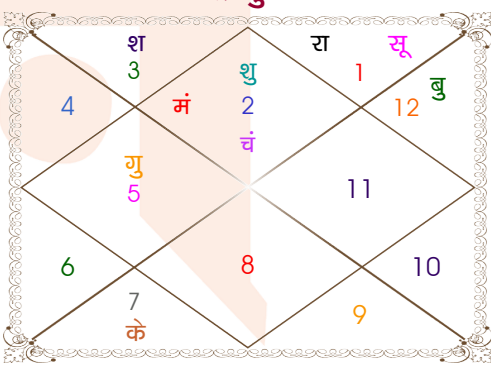

नवमांश कुंडली

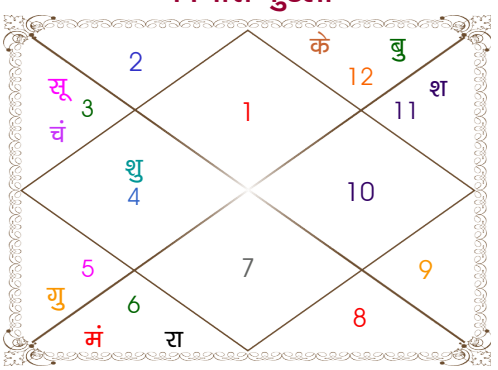

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 8 मास 16 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/04/2004		08/01/2007		08/01/2014		09/01/2032		09/01/2048	
08/01/2007		08/01/2014		09/01/2032		09/01/2048		08/01/2067	
	00/00/0000	मंगल	06/06/2007	राहु	20/09/2016	गुरु	26/02/2034	शनि	11/01/2051
	00/00/0000	राहु	24/06/2008	गुरु	14/02/2019	शनि	08/09/2036	बुध	20/09/2053
	00/00/0000	गुरु	31/05/2009	शनि	21/12/2021	बुध	15/12/2038	केतु	30/10/2054
	00/00/0000	शनि	10/07/2010	बुध	09/07/2024	केतु	21/11/2039	शुक्र	30/12/2057
	00/00/0000	बुध	07/07/2011	केतु	28/07/2025	शुक्र	22/07/2042	सूर्य	12/12/2058
	23/04/2004	केतु	03/12/2011	शुक्र	27/07/2028	सूर्य	10/05/2043	चंद्र	12/07/2060
केतु	08/11/2004	शुक्र	01/02/2013	सूर्य	21/06/2029	चंद्र	08/09/2044	मंगल	21/08/2061
शुक्र	10/07/2006	सूर्य	09/06/2013	चंद्र	21/12/2030	मंगल	15/08/2045	राहु	27/06/2064
सूर्य	08/01/2007	चंद्र	08/01/2014	मंगल	09/01/2032	राहु	09/01/2048	गुरु	08/01/2067

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/01/2067		09/01/2084		08/01/2091		09/01/2111		09/01/2117	
09/01/2084		08/01/2091		09/01/2111		09/01/2117		00/00/0000	
बुध	06/06/2069	केतु	06/06/2084	शुक्र	10/05/2094	सूर्य	29/04/2111	चंद्र	09/11/2117
केतु	03/06/2070	शुक्र	06/08/2085	सूर्य	10/05/2095	चंद्र	28/10/2111	मंगल	10/06/2118
शुक्र	03/04/2073	सूर्य	12/12/2085	चंद्र	08/01/2097	मंगल	04/03/2112	राहु	10/12/2119
सूर्य	07/02/2074	चंद्र	13/07/2086	मंगल	10/03/2098	राहु	27/01/2113	गुरु	10/04/2121
चंद्र	10/07/2075	मंगल	09/12/2086	राहु	11/03/2101	गुरु	15/11/2113	शनि	09/11/2122
मंगल	06/07/2076	राहु	27/12/2087	गुरु	10/11/2103	शनि	28/10/2114	बुध	10/04/2124
राहु	24/01/2079	गुरु	02/12/2088	शनि	09/01/2107	बुध	04/09/2115	केतु	24/04/2124
गुरु	30/04/2081	शनि	11/01/2090	बुध	09/11/2109	केतु	10/01/2116		00/00/0000
शनि	09/01/2084	बुध	08/01/2091	केतु	09/01/2111	शुक्र	09/01/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 8 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं

परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।